

ग्रसाधारण

EXTRAORDINARY

आग II — खण्ड 3 — उप-खण्ड (1) PART II — Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार ने प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 54}

नई बिल्ली, शुक्रवार, मार्च 9, 1973/फाल्गुन 18, 1894

No. 54]

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 9, 1973/PHALGUNA 18, 1894

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह प्रालग संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

NOTIFICATION

Customs

New Delhi, the 9th March, 1973

G.S.R. 162 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25, read with sub-section (3) of section 160, of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 184-Customs, dated the 28th December, 1956, namely:—

In the said notification, for the words, "pickled hides and butts", the words, "pickled hides, pickled butts and pickled sheep skins", shall be substituted.

[No. 40/F, No. 355/51/72-Cus. 1] S. NARAYANAN, Dy. Secy. वित्त मंत्रालय

(राजस्व श्रौर बीमा विभाग)

श्रधिमुचना

सीमा शुल्क

नई दिल्ली, 9 मार्च 1973

सा० का० नि० 162(म्र) — सीमा गुल्क ग्रिधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 160 की उपधारा (3) के साथ पठित, धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त मिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार श्रपना यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना लोकहित में ग्रावश्यक है, भारत सरकार केवित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की श्रिधसूचना सं० 184—सीमागुरूक, तारीख 28 विसम्बर, 1956 में एतव्द्वारा निम्नलिखित श्रौर संणोधन करती है, श्रथित्:—

उक्त श्रधिसूचना में "श्रम्ल मार्जित खालें बड़े पशुश्रों की पीठ की मोटी खालें (पिकल्ड हाइड्स एण्ड बट्टस)" शब्दों के लिए "श्रम्ल मार्जित खालें, श्रम्ल मार्जित बड़े पशुश्रों की पीठ की मोटी खालें श्रीर श्रम्ल मार्जित भेड़ की खालें पिकल्ड हाइड्स, पिकल्ड बट्टस एंड पिकल्ड शीप स्किन्स" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

> [सं॰ 40/फा॰ सं॰ 355/51/72-सी॰ गु॰ I] एस० नारायणन, उप सचित्र।